

और संबंधित समाज अथवा समुदाय के नियमों और मान्यताओं के अनुकूल हो।

**सामाजिक उपचय** पुं. (तत्.) समाज के रचनात्मक विकास में नवीन विचारों, अभिवृत्तियों तथा तथा रीति-रिवाजों के आत्मसात् करण और अनुकूलन की प्रक्रिया।

**सामाजिक ऊर्जा** स्त्री. (तत्.) 1. समाज की मूलभूत जीवन-शक्ति 2. समाज की मूलभूत जीवन-शक्ति जो समाज की उपलब्धियों तथा अन्य उपलब्ध सभी संसाधनों पर आधारित होती है।

**सामाजिक गतिकी** स्त्री. (तत्.) 1. किसी समाज, संस्कृति या संस्था में होने वाले परिवर्तनों के कारणों का अध्ययन social dynamics 2. सामाजिक भौतिकी की एक शाखा जिसमें सभी सामाजिक घटनाओं, नियमों, प्रक्रियाओं आदि में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है।

**सामाजिक जड़ता** स्त्री. (तत्.) 1. समाज में परिवर्तन के प्रति निष्क्रियता 2. समाज में रूढ़ियों, परंपराओं में परिवर्तन के प्रति जड़ता का भाव 3. समाज में परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध अथवा परिवर्तन के प्रति अभिरुचि का अभाव।

**सामाजिकता** स्त्री. (तत्.) 1. समाज के लोगों से संबंध रखने की प्रवृत्ति 2. सामाजिक होने की अवस्था या भाव 3. सांसारिकता, लौकिकता 4. साहित्यिक या कला संबंधी सहृदयता, रसिकता।

**सामाजिक नीति** स्त्री. (तत्.) 1. सामाजिक संरचना, सामाजिक प्रगति और सामाजिक नियंत्रण के उद्देश्यों, विधियों तथा भावी स्वरूप के विषय में एक स्थिर दृष्टिकोण 2. समाज की प्रगति और समाज के भावी स्वरूप के विषय में निर्धारित नीति 3. सामाजिक नियोजन तथा नियंत्रण की दृष्टि से सामाजिक उद्देश्यों और विधियों के संबंध में समाज की स्थाई अभिवृत्ति, नीति-निर्माताओं के द्वारा इस अभिवृत्ति की मौखिक रूप से घोषणा की जा सकती है।

**सामाजिक नृविज्ञान** पुं. (तत्.) नृविज्ञान अथवा मानवविज्ञान की एक शाखा जिसमें वनवासी कबीलों, आदिम समाज या अशिक्षित समाज का अध्ययन किया जाता है। social anthropology

**सामाजिक प्रक्रिया** स्त्री. (तत्.) सामाजिक संस्थाओं के भीतर चलने वाली अन्तःक्रियाएँ इसमें संघर्ष, प्रतिस्पर्धा, अनुकूलन, विशिष्टीकरण, संस्कृतीकरण, सामाजिक स्तरीकरण आदि सम्मिलित होते हैं।

**सामाजिक प्रविधि** स्त्री. (तत्.) समाज के अध्ययन के लिए विकसित विभिन्न प्रकार के सिद्धांत, विधियाँ और साधन।

**सामाजिक बीमा** पुं. (तत्.) सामाजिक सुरक्षा की एक पद्धति जिसके अंतर्गत बीमाकृत व्यक्तियों की कुछ विशेष विपत्तियों में सुरक्षा की जाती है। social insurance

**सामाजिक मंगल** पुं. (तत्.) समाज का कल्याण, लोककल्याण।

**सामाजिक मंगलेच्छा** स्त्री. (तत्.) 1. समाज के कल्याण की इच्छा 2. लोकहित की कामना 3. लोकमंगल की इच्छा।

**सामाजिक विघटन** पुं. (तत्.) 1. समाज में उत्पन्न होने वाला विघटन, बिखराव, विक्षोभ 2. समाज में मतवैभिन्न्य की स्थिति 3. सामाजिक संगठन तथा सामान्य हित की भावना का लोप हो जाने पर किसी समूह का विभिन्न इकाइयों में बँट जाना।

**सामाजिक विज्ञान** पुं. (तत्.) ज्ञान-विज्ञान की वह शाखा जो समाज, संस्कृति और व्यक्तित्व का समग्र या आंशिक रूप में अध्ययन करती है, इसमें मुख्य रूप से समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, सांस्कृतिक नृविज्ञान, राजनीतिविज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास और भूगोल के कुछ पक्ष सम्मिलित होते हैं। social science

**सामाजिक संहिता** स्त्री. (तत्.) किसी समाज द्वारा स्वीकृत सामाजिक नियमों का संग्रह, किसी समाज के ऐसे नियमों का संग्रह जिन्हें सामाजिक स्वीकृति प्राप्त हो।